Dr. Bharti Kumari (Ph.D)
Deptt - of A.I.H. & C
A.P.S.M College, Barauni, Begusarai
L.N.M.U. Darbhanga

Lesson / Plan of the class. B.A part I paper I
Name of the Topic. –
Date – 08-04-2021

Topic – एलोरा एवं सारनाथ

एलोरा :– भारतीय गुहास्थापत्य, मूर्तिकला और चित्रकला के इतिहास में एलोरा की गुहाओं का महत्व अधिक है। इन गुहाओं की कुल संख्या 34 है, जो बौद्ध, जैन और पौराणिक ब्राह्मण धर्म से सम्बंधित पूजास्थलों के रूप में है। इन गुहाओं में से 12 बौद्ध धर्म से, 5 जैन धर्म से और 17 पौराणिक धर्म से सम्बंधित है। पौराणिक गुहाओं में से एक गुहा का नाम कैलाश मन्दिर है, जो अति भव्य है। यह चार खण्डों का विशाल प्रासाद है। इसको अनेक चित्रों और मूर्तियों से सजाया गया है। एक गुहा में राम - सीता की कहानी चित्रित है। बौद्ध गुहाओं में से एक गुहा तीन खण्डों का विशाल विहार है। इसमें महायान - सम्प्रदाय से सम्बंधित पुरुषाकार मूर्तियाँ है। जैन गुहाओं में जगन्नाथ सभा और छोटा कैलाश रमणीय है।

सारनाथ :– प्राचीन स्थापत्य कला की दृष्टि से सारनाथ का बहुत महत्व है। वाराणसी के समीप इस स्थान पर सर्वप्रथम अशोक के द्वारा निर्मित रचनायें प्राप्त है। इस स्थान पर भगवान बुद्ध ने सर्वप्रथम धर्मचक्रप्रवर्तन किया था। सम्राट अशोक के समय की एक पाषाण - वेष्टनी (रेलिंग) है। एक ही पत्थर की बनी यह सुन्दर और चिकनी है। इस पत्थर उत्कीर्ण एक लेख के अनुसार इसको शर्बहिका नाम के व्यक्ति ने बनवाया था।

सारनाथ में अशोक का बनवाया एक स्तूप भी है। पहले समय में यह स्तूप अति विशाल और भव्य था। परन्तु काशी के राजा ~~चैतसिंह ने~~ चेतसिंह ने इसको तुड़वाकर (1793-94 ई.) इसके ~~ईंट~~

ईंट-पत्थर आदि है जगतगंज मोहल्ला अपने दीवान जगतसिंह के नाम बनवाया। तथापि इसके अवशिष्ट तलभाग को देखने से प्रतीत होता है कि इसका व्यास 60 फीट रहा होगा।

गुप्तकाल में भी

सारनाथ में अनेक निर्माण हुए। इनमें धमेख स्तूप और बुद्ध मंदिर भव्य है। स्तूप के बाह्य प्रस्तर अनेक चित्रों और प्रतिमाओं से अलंकृत है। बुद्ध मंदिर की बुद्ध-प्रतिमा का वाला अद्वितीय है। इसका विवरण पहले दिया जा चुका है।

भारती कुमारी
A.I.H.C.
08-04-2021

Scanned with CamScanner